



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 746 ]

नई दिल्ली, बुध्दस्पतिवार, नवम्बर 16, 2000/कार्तिक 25, 1922

No. 746]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 16, 2000/KARTIKA 25, 1922

विधि, न्याय एवं कंपनी कार्य मंत्रालय

(न्याय विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 2000

का. आ. 1025(अ).—बिहार पुनर्गठन अधिनियम, 2000 की धारा 26(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श करने के पश्चात् एतद्वारा निदेश देते हैं, कि पटना उच्च न्यायालय के न्यायविद् श्री चौधरी सदानंद मिश्र, न्यायविद् श्री गुरू शरण शर्मा, न्यायविद् श्री सुधांशु ज्योति मुखोपाध्याय, न्यायविद् श्री एम. युसुफ इकबाल, न्यायविद् श्री अशोक कुमार प्रसाद तथा न्यायविद् श्री देवकी नंदन प्रसाद वरिष्ठता के उक्त क्रम में 15-11-2000 से पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नहीं रहेंगे तथा नए झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश होंगे।

[फा. सं. के. 13026/5/2000-यू.एस. II]

सुरेन्द्र नाथ, अपर सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Justice)

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th November, 2000

S.O. 1025(E).—In exercise of the powers conferred by section 26 (1) of the Bihar Reorganisation Act, 2000, the President, after consultation with the Chief Justice of India, hereby directs that Shri Justice Choudhary Sadanand Mishra, Shri Justice Gurusharan Sharma, Shri Justice Sudhansu Jyoti Mukhopadhaya, Shri Justice M. Yusuf Eqbal, Shri Justice Ashoke Kumar Prasad and Shri Justice Deoki Nandan Prasad, Judges of the Patna High Court, in that order of seniority, shall, as from the 15th day of November, 2000, cease to be the Judges of the Patna High Court and become the Judges of the new High Court of Jharkhand.

[F. No. K. 13026/5/2000 US II]

SURENDRA NATH, Addl. Secy.

